NAAC ACCREDITED "B++" (CGPA 2.89)

Yogoda Satsanga Mahavidyalaya

Jagannathpur, Dhurwa, Ranchi-834004

www.ysmranchi.net

ysmranchi4@gmail.com

Course : MJ 1 Sem : 1

Lesson : Concept of Bharatvarsha / Understanding Bharatvarsha

By : Dr. Amrita Dutta

© All Copyrights are Reserved

This Video is an Intellectual Property of Yogoda Satsanga Mahavidyalaya, Dhurwa, Ranchi, Jharkhand

Understanding of Bharatvarsha

भारत के अनेकों आधुनिक इतिहास कारों में यह भ्रम फैला हुआ है कि ब्रिटिश सरकार ने ही भारत को एक राष्ट्र के रूप में एकीकरण किया है तथा भारत: एक निर्माणाधीन राष्ट्र है। किंतु पुराणों और अन्य संस्कृत ग्रन्थों में प्राचीन काल से ही भारत राष्ट्र और इसकी राष्ट्रीयता का वर्णन किया गया है। विभिन्न पुराणों में न केवल भारत वर्ष नाम की व्याख्या ही की गई है बल्कि इसकी अस्मिता, सांस्कृतिक प्रभाव और भौगोलिक सीमाओं का भी वर्णन किया गया है। विभिन्न पुराणों में भुवनकोश अर्थात् प्राचीन विश्व की भौगोलिक स्थिति का वर्णन करते हुए भारत वर्ष की भोगौलिक सीमा, इसकी सांस्कृतिक विरासत, विभिन्न भाषाओं, परम्पराओं, प्रान्तरों वाले विशाल भूभाग का सांस्कृतिक, सामाजिक, धार्मिक एवं सामुदायिक राष्ट्र के रूप में वर्णन किया गया है। प्रस्तुत शोध लेख में पौराणिक प्रमाणों के आधार पर भारत के प्राचीन इतिहास, इसके नामकरण, भौगोलिक स्थिति तथा भारतीय संस्कृति की प्राचीनता का वर्णन किया गया है। पुराणों में ही इस देश का नाम भारतवर्ष पहली बार प्राप्त होता है।

Many modern historians of India boast about the uncertainty of the fact that it is the British government that has integrated India into a nation and India is a nation under construction. But Puranas and other Sanskrit texts have described Indian nation and its nationality since ancient times. The name Bharatvarsha is not only explained in various Puranas, but its identity, cultural influence and geographical boundaries are also illustrated. In various Puranas, describing the geographical location of the ancient world, Bhuvanakosh, the geographical boundary of India, its cultural heritage, the vast landmass with different languages, traditions, has been described as a cultural, social, religious and communal nation. On the basis of mythological evidence, the presented research paper describes the ancient history of India, its nomenclature, geographical location and the antiquity of Indian culture. In the Puranas, this country gets its name for the first time as India

भारतवर्ष

- पुराणों के भौगोलिक विवरणों के अनुसार भारत वर्ष जम्बूद्वीप के इलावृत्तवर्ष में स्थित मेरूपर्वत अर्थात् पामीर नाट के दक्षिण में बसा है और आज भी भारत अफगानिस्तान स्थित पामीर पर्वत माला के दक्षिण में स्थित है। पुराणों में भारत वर्ष के जिन पर्वतों, नदियों, सरोवरों, तीर्थों तथा सागरों का वर्णन किया गया है वे आज भी भारतीय उप महाद्वीप में वर्तमान हैं। आधुनिक योरापीय विद्वानों और उनके शिष्य भारतीय इतिहास कारों ने पुराणों को पंडितों की गप्प बताया और प्राचीन भारतीय इतिहास के अध्ययन में पुराणों एवं अन्य संस्कृत ग्रन्थों को ऐतिहासिक शोधकार्य के योग्य नहीं माना। विश्व के प्राचीन राष्ट्रों मिश्र, यूरोप, चीन, मध्यपूर्व के देशों का प्राचीन इतिहास उनके प्राचीन साहित्य और अन्य प्रमाणों के आधार पर लिखा गया है किंतु भारत के इतिहास लेखन में भारतीय साहित्य को प्रमाण के योग्य नहीं माना जाता, यह आश्चर्य का विषय है। अतः भारत में इतिहास के क्षेत्र में संस्कृत वाङमय पर शोधकार्य अत्यंत आवश्यक है। इसी उद्देश्य को दृष्टि गत रखते हुए यह शोध पत्र प्रस्तुत किया गया है।
- According to the geographical details of the Puranas, India is situated in the region of Jambudweep at the south of the Meruparvat i.e. Pamir Naat and even today, India is situated in the south of Pamir ranges in Afghanistan. The mountains, rivers, lakes, shrines and seas of India which are described in the Puranas, are still present in the Indian subcontinent. Modern European scholars and their disciple Indian historians termed the Puranas as the gossip of the Pandits and did not consider Puranas and other Sanskrit texts worthy of historical research in the study of ancient Indian history. The ancient history of the ancient nations of the world, Egypt, Europe, China, Middle East countries have been written on the basis of their ancient literature and other evidence, but Indian literature is not considered worthy of proof in the historiography of India, is a matter of surprise. Therefore, research in Sanskrit Vangmeya is essentially needed in the field of Indian history. Keeping this objective in view, this paper has been presented.

क्या इस 'हिन्दू' का कुछ और अर्थ है?

ज़ाहिर है, हिन्द, हिन्दू, हिन्दवान, हिन्दुश जैसी अनेक संज्ञाएँ अत्यन्त प्राचीन हैं.
इंडस इसी हिन्दश का ग्रीक समरूप है. यह इस्लाम से भी सदियों पहले की बातें है.
ग्रीक में भारत के लिए India अथवा सिन्धु के लिए Indus शब्दों का प्रयोग दरअसल इस बात का प्रमाण है कि हिन्द अत्यन्त प्राचीन शब्द है और भारत की पहचान हैं. संस्कृत का 'स्थान' फ़ारसी में 'स्तान' हो जाता है.
इस तरह हिन्द के साथ जुड़ कर हिन्दुस्तान बना. आशय जहाँ हिन्दी लोग रहते हैं. हिन्दू बसते हैं.
भारत-यूरोपीय भाषाओं में 'ह' का रूपान्तर 'अ' हो जाता है. 'स' का 'अ' नहीं होता.
मेसोपोटामियाई संस्कृतियों से हिन्दुओं का ही सम्पर्क था. हिन्दू दरअसल ग्रीक इंडस, अरब, अक्काद, पर्शियन सम्बन्धों का परिणाम है.

'इंडिका' का प्रयोग मेगास्थनीज़ ने किया. वह लम्बे समय तक पाटलीपुत्र में भी रहा मगर वहाँ पहुँचने से पूर्व बख़्त्र, बाख्त्री (बैक्ट्रिया), गान्धार, तक्षशिला (टेक्सला) इलाक़ों से गुज़रा.
यहाँ हिन्द, हिन्दवान, हिन्दू जैसे शब्द प्रचलित थे.
उसने ग्रीक स्वरतन्त्र के अनुरूप इनके इंडस, इंडिया जैसे रूप ग्रहण किए. यह ईसा से तीन सदी और मोहम्मद से 10 सदी पहले पहले की बात है.
जहाँ तक जम्बुद्वीप की बात है यह सबसे पुराना नाम है. आज के भारत, आर्यावर्त, भारतवर्ष से भी बड़ा.
परन्तु ये तमाम विवरण बहुत विस्तार भी माँगते हैं और इन पर अभी गहन शोध चल रहे हैं.
जामुन फल को संस्कृत में 'जम्बु' कहा जाता है. अनेक उल्लेख हैं कि इस केन्द्रीय भूमि पर यानी आज के भारत में किसी काल में जामुन के पेड़ों की बहुलता थी. इसी वजह से इसे जम्बु द्वीप कहा गया.
जो भी हो, हमारी चेतना जम्बूद्वीप के साथ नहीं, भारत नाम से जुड़ी है. 'भरत' संज्ञा की सभी परतों में भारत होने की कथा खुदी हुई है

Nabhivarsa
Jambudvipa
Aryavarta
India
Meluha
Hindustan
Bharat

Does this 'Hindu' have any other meaning?

Obviously, many nouns like Hind, Hindu, Hindwan, Hindush are very ancient. Indus is the Greek equivalent of Hindash. These things are centuries before Islam. The use of the words India for India or Indus for Sindhu in Greek is actually a proof that Hind is a very ancient word and is the identity of India. The 'Sthan' of Sanskrit becomes 'Sthan' in Persian.

In this way Hindustan was formed by joining with Hind. Meaning where Hindi people live. Hindus reside. In Indo-European languages, the transformation of 'H' becomes 'A'. 'S' does not have 'A'. Hindus only had contact with Mesopotamian cultures. Hindu is actually the result of Greek Indus, Arab, Akkad, Persian relations.

'Indica' was used by Megasthenes. He also stayed in Pataliputra for a long time but before reaching there he passed through Bakhtra, Bakhtri (Bactria), Gandhara, Takshashila (Taxila) areas. Words like Hind, Hindawan, Hindu were prevalent here. He adopted the form of Indus, India according to the Greek vocal system. This is three centuries before Christ and 10 centuries before Mohammed.

As far as Jambudweep is concerned, it is the oldest name. Today's India, Aryavarta, is bigger than India. But all these details demand a lot of detail and deep research is still going on. Jamun fruit is called 'Jambu' in Sanskrit. There are many mentions that there was abundance of Jamun trees in this central land i.e. today's India. For this reason it was called Jambu Dweep. Be that as it may, our consciousness is not associated with Jambudweep, but with the name Bharat. The story of being India is engraved in all the layers of the noun 'Bharat'

Summery

Thank You